

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.

Sr. No. of Question Paper :

Unique Paper Code : 2022201102
 Name of the Paper : INTRODUCTION TO BUDDHIST LITERATURE
 Name of the Course : B.A. (Prog.). Buddhist Studies/DSC-1(B1)/NEP-UGCF/22
 Semester : I (Students admitted after the year 2019)

Time: 3 Hrs.
 समय : 3 घंटे

Full Marks: 90
 पूर्णांक : 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) :

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note: Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four Questions in all. Question No. 1 is compulsory.

कुल चार प्रश्न हल करें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any two of the following: (2 x 15= 30)
 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
 - a) Mahāparinibbānasutta
 महापरिनिब्बानसुत्त
 - b) Āryabhiniṣkramaṇasūtra
 आर्यभिनिक्षक्रमणसूत्र
 - c) Suttanipāta
 सुत्तनिपात
 - d) Mahāvagga
 महावग्ग
2. Discuss the role of Lalitavistara and Mahāvastu in shaping Buddhist biographical literature.
 बौद्ध जीवनी साहित्य के विकास में ललितविस्तर और महावस्तु की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (20)
3. Evaluate the themes and literary value of Buddhist Sanskrit literature with reference to the Nava Vaipulya Sūtras or Mahāyānasūtras.
 बौद्ध संस्कृत साहित्य (नव वैपुल्यसूत्र या महायानसूत्र) की विषय-वस्तु और साहित्यिक दृष्टि से विश्लेषण कीजिए। (20)
4. Discuss the origin and homeland of the language used in the Buddha's teachings.
 बुद्ध के उपदेशों में प्रयुक्त भाषा की उत्पत्ति और मूलभूमि पर चर्चा कीजिए। (20)

5. Explain the structure and content of the Vinaya Piṭaka in Pāli literature with examples of its main texts. (20)
पालि-साहित्य में विनय पिटक की संरचना और विषयवस्तु के बारे में उदाहरण सहित विस्तार से बताइए।
6. Describe the history and significance of the earliest Buddhist councils and how they shaped the compilation of Buddhist teachings. (20)
प्रारंभिक बौद्ध संगीति की ऐतिहासिकता और उनके बौद्ध ग्रंथों के संकलन में महत्व को स्पष्ट कीजिए।
7. Explain the importance and repertoire of the Jātaka tales in Pāli literature and their relevance for Buddhist moral education. (20)
पालि-साहित्य में जातक कथाओं का महत्व और उनका संग्रह बताइए तथा बौद्ध नैतिक शिक्षा के लिए उनकी प्रासंगिकता समझाइए।

